HR14-2-2-HI

सृष्टि से कदम ब कदम भाग 2

आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, हम जवाब देगे उन्हें जिन्होंने विज्ञान के कारण अपना मसीही विश्वास छोड़ दिया, कही न कही उन्होंने मना कि सृष्टि के बारे में बाइबल की घटना आज के आधुनिक विज्ञान से मेल नही खाती है, लेकिन इस सीरिज में हम चर्चा करेगे कि हाल ही के वैज्ञानिक सबूत, आपको सच में प्रभु पर विश्वास करने पर ले आएँगे, आगे, हम इस सवाल का जवाब देगे, क्या हम अपेक्षा करे कि समहति पाएं, सृष्टि के लेख में और वचन के लेख में/

डा। वाल्टर कैसर: अवश्य ही होना चाहिए, क्योंकि ये एक ही लेखक है, याने जब हम देखते हैं एक बिल्डिंग जो एक आर्किटेक ने बनाई है और दूसरी बिलडिंग जो उसी आर्किटेक्ट ने बनाई है, तो कहते हैं ये फ्रेंक लोयेड राइट की बिलडिंग है/ और जब हम इस संसार को देखते हैं जो परमेश्वर ने बनाई है, ये उसने बनाई है, ये मेड इन यु एस ए नही है, लेकिन जीवित परमेश्वर ने बनाया है/ और जब हम वचनों को देखते हैं वो भी परमेश्वर से आया है, अब जब कि लेखक तो एक ही है जो अनुवादक दोनों को देखते हैं, शायद अनुवाद सहमत न हो लेकिन सबूत नही, और row data भी नही होता है/ row data तो उसी प्रभु की और से आता है, नही तो फिर, यदि हम सृष्टि के सिद्धात को दूर कर दे, यदि हम प्रेरणा को दूर कर दे, जो कि पूरा परमेश्वर का अद्भुत वचन है/ हम इन दोनों को दूर नही कर सकते हैं, ये तो जीवित परमेश्वर की ओर से आता है/

आज मेरे मेहमान हैं एस्ट्रोनॉमर डॉक्टर ह्यू रॉस, जिन्होंने एस्ट्रोनोमी में पीएचडी पाई है, यूनिवर्सिटी ऑफ टोरोंटो से/ और पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च किया है, कैन टक ऑन कुअसर्स से/ ये बहुतसी किताबों के लेखक हैं, जिसमें इनकी नई किताब नाविगेटिंग जेनिसेस है, साथ ही हम हीब्रू विद्वान् डॉक्टर वाल्टर कायजर से सुनेगे, बहुत से लोग इन्हें संसार के बहुत ज्ञानी व्यक्ति मानते हैं/ पुराने नियम और हीब्रू भाषा में, हमारे साथ जुड़े और देखे कि कैसे आधुनिक वैज्ञानिक बातें सृष्टि की बाइबल की घटना से मिलती है, उत्पत्ति 1:1 और 2 में, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: आज के प्रोग्राम में स्वागत है, आज महान प्रोग्राम है, मेरे मेहमान हैं astronomer और astrophysisit Doctor ह्यू रॉस, और पिछले कुछ हफ्तों से हम आपको क्लिप्स दिखा रहे हैं, इनकी documentry movie से नाम है जर्नी टुवर्ड्स क्रिएशन, ये बताता है कि कैसे परमेश्वर ने सृष्टि की और fine tune किया, इस ब्रम्हांड को, और जिस संसार में हम जी रहे हैं/ ये बहुत ही अद्भुत है/ आज हम देखेगे वो जानकारी जो प्रभु ने हमे दी है/ बाइबल में, उत्पत्ति अध्याय 1 और उत्पत्ति अध्याय 2 में, और मैं शुरू करना चाहता हूँ बहुत ही विख्यात वाक्य से, जो परमेश्वर हमें बाइबल में देता है/ ये कहता है आदि में परमेश्वर ने आकाश और

पृथ्वी की सृष्टि की, ये कुछ सरल शब्द, तो चकित करनेवाले हैं/ वेज्ञानिक जानकारी से/ मैं एक क्लिप दिखाना चाहता हूँ/ हमारे एक प्यारे दोस्त के साथ/ हीब्रू विद्वान् डॉक्टर वोल्टर कायजर, ये बहुत ही विख्यात हैं और हमने उनसे पूछा था कि इन शब्दों का क्या अर्थ होता है/ जिसे सच में हीब्रू से अनुवाद किया गया है/ और उन्होंने यही कहा, इसे देखते हैं/

द ग्रेट डीबेट ऑन साइंस एन्ड द बाइबल की क्लिप से

डा। वाल्टर कैसर: धन्यवाद जॉन, ये सच में पूरी शुरुवात के बारे में कहता है, और ये वचन है, आदि में, ये बहुत बहुत बेचिदा था, कि जो लोग वचन की सटीकता पर विश्वास करते हैं वो कहेगे कि यही पर ये सब शुरू हुआ था/ और बाकी वचन आकाश और पृथ्वी ये तो सच में संसार के लिए बाइबल के शब्द है/ जिसे कहते हैं, hendiadys, hen एक, dia द्वारा dys दो, याने ये एक विचार दो शब्दों द्वारा आता है, संसार जिसका अर्थ तो आकाश और पृथ्वी होता है, याने सबकुछ तो शुरू में ही कर दिया गया है/ और किसने किया प्रभु ने/ प्रभु ने सृष्टि की, बारा शब्द का उपयोग किया गया है, 45 बार केवल परमेश्वर के लिए, इस विषय में/ दुसरे और भी शब्द है बनाया या आकार दिया, ये इस तरह से कुछ, लेकिन कभी भी मनुष्य ने बारा शब्द का उपयोग नही किया/ और इस तरह से कभी नही हुआ कोई भौतिक उपयोग, इससे सबंध में/ याने मैं सोचता हूँ कि इसका समर्पण पूरी सटीक शूरुवात से है/ और ये परमेश्वर द्वारा शुरू की गई है, और इस में सारा संसार आता है/ और फिर ये वचन में ये कहता है पृथ्वी के बारे में, लेकिन उत्पत्ति में हमेशा पहले बड़े विषय को लेता है, संसार और अब बिच में, फिर पृथ्वी पर आता है, और अब हम पृथ्वी इस विषय पर गौर करेगे, याने देखिए चाहे हम कितने भी पीछे चले जाएँ, ये हमेशा आदि में ही है/ और यही पर विश्वासियों को डटकर कहना होगा, हाँ आदि में, और ये बाइबल की बात है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: अब ह्यू डॉक्टर वाल्टर कायज़र जो कहा उसे सुनने के बाद, उत्पत्ति 1:1 के बारे में/ मुझे बताइए कि astronomy इसे सपोर्ट करती है/ और बहुत कुछ कहा जा सकता है/

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, वोल्टर कायजर तो उसके बारे में कह रहे थे, जिसे हम सृष्टि का सिद्धांत कहते हैं, ex nihilo, परमेश्वर ने संसार को शून्य में से बनाया है/ उदाहारण के लिए सारे तत्व, जगह और समय, ये सब अस्तित्व में आएं/ और astronomer ने खोज में पाया है कि सच में यही संसार की सही समझ है/ याने theory of general relativity, the space time theorems, observations ये सब हमें बताता है कि एक शुरुवात है और एक निश्चित समय है/ ऐसी शुरुवात जिसमे केवल शुरुवात ही नही है, लेकिन तत्व और उर्जा है, लेकिन जगह और समय भी इस में है/ इस जगह समय थेयरम के कारण, यहाँ तक कि नास्तिक physicist भी ये मानते हैं कि reality का deistic अर्थ लगाना टाला नही जा सकता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: कि प्रभु अस्तित्व में है/ और उसने अस्तित्व में लाया है/ अब, हमें बताइए, जब आपने पहली बार ये जानकारी देखना शुरू किए तो आप अविश्वासी थे, और एक समय आपने इस जानकारी को देखना शुरू किया/ और सृष्टि की शुरुवात कैसे हुई ये विज्ञान focus नही था/ वो इस दृष्टिकोण के बारे में लड़ थे थे, और उन्हें इस विचार में उनकी इच्छा के विरोध में लाया गया है/ आपने हमें कुछ सबित दिए हैं लेकिन हम के बारे में हमें कुछ बताए कि इस बात के लिए उन्हें जबरदस्ती लाने के जरुरत क्या थी?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, दो बातें है कि इन्होने जाना कि संसार की एक जगह, समय और शुरूवात है/ और इसका अर्थ है कि इसके पीछे कोई होगा, जो जगह और समय से परे है, जिसने सबकुछ बनाया है, याने ये बाइबल के परमेश्वर के बारे में बताता है, जिसे कुछ लोग नही मानते हैं/ जो बात तो उन्हें परेशान करती है वो ये है कि समय का नांप तो बहुत छोटा है, जिसने संसार को केवल कुछ बिलियन साल पुराना बनाया है/ और जो भी मनसा इन biologist की थी, यदि ये केवल कुछ बिलियन साल की है, और कोई स्वाभाविक अर्थ बतानेवाला नही है, जीवन के इतिहास के शुरूवात के बारे में/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: जी, मुझे अभी भी वो विवरण पसंद है, कि तारों में ये श्रमता है कि 80 बिलियन साल के लिए जलते जाएं, जब कि वैज्ञानिक कह रहे हैं कि संसार तो केवल 13.8 बिलियन साल पुराना है, याने ये तो बहुत ही बेचिदा लाइन दिखती है/

डॉक्टर ह्यू रॉस: हमने अब तक पूरी तरह से जले हुए तारे नही देखे हैं, तारे जी हम ऐसे तारे देखते हैं जो इंधन के कारण जलते रहते हैं, लेकिन वो अभी भी ठंडे हो रहे हैं, सच तो ये है कि हम देख सकते हैं कि वो ठंडे हो रहे हैं, जो हमें बताता है कि संसार उसकी तुलना में कम उम्र का है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: अब जब हम उत्पत्ति 1 को देखते हैं, जब आपने देखना शुरू किया कि कैसे बाइबल दिन शब्द का उपयोग करती है, अध्याय 1 में, हमें आप जिस क्रिया से गए वो बताइए/

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, देखिए मैं चिन्ता करता था कि सच में इन दिनों का सच में क्या अर्थ है जब मैंने पहली बार बाइबल उठाई थी/ और वहां ये शब्द उपयोग किया गया कि शाम हुई और सुबह हुई, तीसरा दिन, चौथा दिन, और इस तरह का निश्चित ढांचा कि ये इस तरह की भाषा में क्यों बता रहा है/ और फिर जब मैं 7 वे दिन पर आया तो जाना कि कोई शाम और सुबह नही थी/ जैसे सातवा दिन अध्याय 2 में बताया गया है/ याने ये जानना महत्वपूर्ण है, कि ये कहानी अध्याय 2 वचन 4 में खत्म होती है/ तो हमें जानना होगा कि 7 वे दिन के लिए कोई सुबह और शाम नही थी, और तब प्रभु ने विश्राम किया, और ये बताता है कि हम क्यों नही देखते हैं जीवन का विशेष होना इस मनुष्य के क्षेत्र में/ प्रभु ने सृष्टि करना बंद कर दिया, आदम और हव्वा को बनाने के बाद, हम देखते हैं कि परमेश्वर ने विश्राम किया और स्वाभाविक क्रिया को देखा/ लेकिन भूतकाल में, हम बहुत से सबूत देखते हैं आलौकिक हस्तक्षेप के बारे में/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: देखिए हम क्या कर रहे हैं डॉक्टर कायजर के साथ कुछ प्रोग्राम करने के बाद, और ये सब और डीबेट और दुसरे प्रोग्राम में, हमारे कुछ पास्टर जो देख रहे हैं, उन्होंने पत्र लिखा, मैं चाहता हूँ कि आप देखिए/

द ग्रेट डीबेट ऑन साइंस एन्ड द बाइबल की क्लिप से

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: देखिए हम क्या कर रहे हैं डॉक्टर कायजर के साथ कुछ प्रोग्राम करने के बाद, और ये सब और डीबेट और दुसरे प्रोग्राम में, हमारे कुछ पास्टर जो देख रहे हैं, उन्होंने पत्र लिखा, मैं चाहता हूँ कि आप देखिए/ मैं शुरू करना चाहता हूँ एक पास्टर के सवाल के साथ, हम उत्पत्ति 1 और के असली अर्थ के बारे में चर्चा कर रहे हैं/ याने दिन शब्द का क्या अर्थ है/ और हम कुछ किताब पढ़ चुके हैं डॉक्टर कायजर, मैं इस बात से दूखी हूँ कि डॉक्टर कायजर ने इस तरह के कारणों को स्वीकार किया है जो वचन के विश्वास को कमजोर करता है/ ये फिर से अर्थ बताना और वचन को कमजोर करना किस कारण से? ऐसे दिखता है कि बाइबल और उत्पति का सिद्धान्त किसी बात पर समानता में आता है, ये शर्म की बात है/ अब, आप इस तरह के लोगों को किस तरह प्रतिउत्तर देते हैं, जब कि आपने बार बार कहा है, आप कोशीश कर रहे हैं कि सच्चे अर्थ को बताएं, इस वचन का विज्ञान से हटकर, इसे फिर से बताइए, और इस पास्टर से बाते कीजिए/

डा। वाल्टर कैसर: खैर धन्यवाद जॉन, और धन्यवाद पास्टर की आप मेरी परवाह करते हैं, सबसे पहले/ लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूँ कि बाइबल के कारण मैंने इसे किया है/ मैं केवल वहीसमझ की कोशीश कर रहा हूँ जो वचन कहता है/ मेरा कोई अजेंडा नही है, मैं अपने प्रभु को प्रसन्न करने की कोशीश कर रहा हूँ/ और मैं सुनना चाहता हूँ कि वो इन लोगों द्वारा क्या कहना चाहता है/ आप नही जानते हैं कि मैंने कितनी शक्ति लगा दी है कि लेखक के विचार को सही तरह से बता सकूं/ और केवल ही इसका केंद्र है, याने जब वो दिन शब्द का उपयोग करता है, तो मुझे सच में सावधानी से कहना होगा, ठीक है क्या लेखक मुझे इसके बारे में कुछ भीतरी सत्य देते हैं/ वो इसके बारे में कुछ बताते है इसलिए जी, हाँ 1:5 ये कहता है कि दिन की ज्योति थी, और अंधकार को उसने रात कहा, और फिर 1:14 में उसने कहा, कि बड़ी ज्योति जो साल और दिन के लिए चिन्ह हो, फिर दिन, याने ये समय है जो कि अब 24 घंटे का दिन है/ फिर वो सारी बातों का सारांश बताता है, वो कहता है कि जब उसने ये सब किया, या जिस दिन उसने ये सबकुछ किया जो उसने पहले 6 दिनों में किया और अंत में परमेश्वर ने विश्राम किया/ याने कोई दूसरा अर्थ बताना नही है/ मैं सोचता हूँ कि ये गलत विचार होगा, मैं सोचता हूँ कि ये गलत है, मैं इसका अर्थ बताना नही चाहता और नाही कहूँगा कि ये ये मेरा अर्थ है, कि कहूँ न ही दिन तो दिन हैं, मैं जानता हूँ कि ये दिन हैं, और कहूँ कि दिन के बारे में मेरा विचार, तो ये है/ नही वहां पर लेखक के विचार का दिन होना चाहिए/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: एक और जगह है जहाँ मूसा ने इस उपमा का उपयोग किया कि एक दिन प्रभु के लिए हजार साल के बराबर है/ ठीक है, खैर कुछ लोग कहेगे कि ये नही कहता कि एक दिन, एक हजार साल है/

डा। वाल्टर कैसर: जी ये सच है ये इस तरह नही कहता कि ये एक समान है, लेकिन मेरी बात तो ये है कि इस Psalter में भजन की किताब में जो हेडिंग हैं 150 भजन में से आधे के लिए, ये तो असली वचन के शुरू के समय कैसे ही है/ ये ग्रीक अनुवाद में ऐसे दिखता है\, तीसरी सदी बी सी में वचन के कुछ भाग का अनुवाद हुआ है, हम अब भी कुछ अनुवाद नही कर पाए क्योंकि ये बहुत शुरू का है, याने भजन 90 ही एक मात्र भजन है जो मूसा के बारे में बताता है, और यहाँ वो दिन शब्द का उपयोग करता है, वो कहता है कि ये तो जैसे एक हजार साल के बराबर का हो/ ये नही कहता कि वो एक हजार साल है, शायद उससे भी ज्यादा हो, लेकिन मैं यही कहना चाहता हूँ कि ये काफी है/ देखिए ये तो वो लेखक है जिसने प्रभु की सलाह में रहते हुए ये लिखा है/ उसकी बातों को मान ले, याने कोई नया अनुवाद नही दिया गया है पास्टर, मैं वचन को थामे रहना चाहता हूँ जो वो कहता है क्योंकि केवल यही मेरा क्लू है कि प्रभु क्या कहता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: अब ह्यू मैं चाहता हूँ कि आप आगे बताए जिसके बारे में में डॉक्टर कायजर कह रहे हैं/ और मैं चाहता हूँ कि आप लोग मेरे साथ यहाँ कुछ समय तक बने रहे, पिछले प्रोग्राम में हमने कहा था, कि englishman Hebrew Concordance में यदि आप देखेगे, यहाँ 58 अलग अलग तरीके हैं जहाँ बाइबल याम शब्द का उपयोग करती है/ इस एक शब्द के लिए इतने अलग अर्थ क्यों हैं? इसका संबध तो शब्दों की संख्या से है/ जो उपलब्ध है हीब्रू भाषा में/ उदाहरण के लिए हीब्रू भाषा में केवल 8700 शब्द हैं/ जब कि हमारी English भाषा में हमारे पास 5 लाख से भी ज्यादा शब्द हैं/ जो हमारा अर्थ बताते हैं/ इसलिए कुछ हीब्रू शब्द डबल duty, ट्रिपल duty करते हैं, और सन्दर्भ निश्चित करता है कि कैसे उनका अर्थ लगाना चाहिए/ जैसे मैंने कहा, concordance आपको 58 अलग तरीके बताता है याम शब्द के उपयोग के लिए/

याने चलिए मैं आपको जल्दी से 4 उदाहरण देता हूँ/ पुराने नियम में 8 बार, याम का अर्थ उम्र के रूप में हुआ है, उदाहरण के लिए उत्पत्ति 18:11 कहता है कि अब्राहम और सारा बूढ़े हो गए थे बहुत याम हो चुके थे/ उम्र में, याने बहुत उम्र के थे, या उत्पत्ति 47:28 जो याकूब की पूरी उम्र के बारे में बताता है/ यहाँ याम याकूब के पुरे जीवनकाल के बारे में बताता है/

या 4 बार, बाइबल याम शब्द का अर्थ बताती है, या याम शब्द का उपयोग करती है, हमेशा के लिए/ उदाहरण के लिए, व्यवस्थाविवरण 5:29 भला होता कि उन में ये मन सदैव ऐसा ही बना रहे कि वे मेरा भय मानते हुए मेरी सब आज्ञाओं पर चलते रहे, यहाँ सदैव शब्द तो याम है/ इसका अर्थ दिन के रूप में भी होता है, या जीवनकाल भी हुआ यहाँ व्यवस्था विवरण 5:29 में,

तीसरा उदाहरण याम का अर्थ ऋतू भी हुआ है, यहोशु 24:7 कहता है कि तुम बहुत दिनों तक जंगल में रहे, याम याने लंबा ऋतू/ जो बहुत से महीनों के समय को दर्शाता है/

और 19 बार याम का अर्थ हमेशा हुआ है/ उदाहरण के लिए भजन 23:6, ये महान उदाहरण है जो कहता है, निश्चय ही भलाई और करुणा जीवन भर मेरे साथ होगी/ और मैं यहोवा के धाम में याम वास करूंगा/ सर्वदा के लिए/ ये अनन्तकाल दर्शाता है/

अब ह्यू ये 4 उदाहरण हैं/ कि कैसे याम का उपयोग हुआ है और ये कैसे अलग अर्थ देता है एक ही शब्द के लिए/ हमारी भाषा के टेक्स्ट में/ और जब हम उत्पत्ति अध्याय 1 में आते हैं/ तो यहाँ 3 या 4 अर्थ हैं इसी वचन में, जहाँ मूसा बार बार बताता है, बताइए कि ये क्या है?

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, आदि में पृथ्वी ग्रह पर गहरे पानी के उपर अंधियारा था/ पहले दिन प्रभु अपारदर्शी से ज्योति आनेवाला वातावरण बनाता है/ कि ज्योति आ सके, और ये वचन 5 में क्या कहता है/ परमेश्वर ने ज्योति को दिन कहा/ ये उस समय के बारे में बताता है सूर्योदय से सूर्यास्त तक समय/ और फिर सृष्टि के 4 थे दिन, प्रभु वातावरण को बदलता है ज्योति आने वाले से हमेशा के लिए कुछ हद तक कईबार पारदर्शी होता है/

और पहली बार पृथ्वी की सतह पर जानवर हुए और सूरज, चाँद और तारे बनाए गए, और यहाँ ये बताता है कि कैसे परमेश्वर ने उन सूरज, चाँद और तारों का उपयोग किया, सब के लाभ के लिए और ऋतू, दिन और साल के लिए चिन्ह हुए/ यहाँ दिन तो 24 घंटे की घटना के बारे में कह रहा है/ और उत्पत्ति 2:4 में, ये याम शब्द का उपयोग करता है, जिसका अर्थ दिन होता है जो सृष्टि के सारे हफ्ते के बारे में बताता है/ याने अवश्य ही ये ऐसा शब्द है जिसका अर्थ लंबा समय होता है, औए जैसे कायजर कह रहे थे, कि हमें बाइबल के शब्दों को वैसे ही नही लेना चाहिए, हमें इसे वैसे ही और हमेशा के लिए लेना है/ इन में कौनसी परिभाषा पूरी बाइबल पढ़ने देती है, बिना मतभेद के, और इसलिए वो और मैं ये दृष्टिकोण लेते हैं, कि उत्पत्ति 1 में दिन तो बहुत लंबा समय होगा, और केवल यही तरीका है कि बाइबल का अपना मतभेद दूर किया जाए/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: एक और सवाल जो इसके तुरंत बाद आता है, जो बताया गया है, ये कहता है कि शाम हुई और फिर सुबह हुई, एक दिन, और मैंने डॉक्टर कायजर से पूछा कि हमें बताइए, कि ये हीब्रू से कैसे अनुवाद किया जाता है, मैं चाहता हूँ कि आप इसे देखे/

द ग्रेट डीबेट ऑन साइंस एन्ड द बाइबल की क्लिप से

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: ये कहते हैं कि जब भी याम शब्द का उपयोग हुआ शाम और सुबह के लिए, इसका अर्थ केवल एक साधारण दिन हो सकता है, कभी लंबा समय नही हुआ है/

डा। वाल्टर कैसर: जी, शाम और सुबह होना, पहले दिन की शाम होना तो दिलचस्प बात है, वो पहली शाम कहाँ से आई होगी, ये उस दिन से आई होती जो वहां पहले से ही था, याने यहाँ ये कुछ गलत तरह से शुरू हुआ, फिर शाम हुई और सुबह हुई, यदि ये पुरे 24 घंटे बनाते हैं, और

कुछ भी हो, इस तरह से 3 सुबह और शाम हुए, पहला दिन, दूसरा दिन, तीसरा दिन, और फिर 4 थे दिन, प्रभु दिन बनाता है, याने, हम परेशानी देखते हैं और फिर 7 वे दिन जो बना रहता है इब्रानियों 4 कहता है, कि परमेश्वर ने सृष्टि के काम से विश्राम किया, और वो इब्रानियों 4 में कहता है, *sabbatismos* याने सब्त, ये ग्रीक शब्द है/ मुख्य शब्द सब्त, जब प्रभु रुकता है/ और वो रखता है एक निष्कर्ष दुसरा ग्रीक शब्द है, *katapausis* वो वही रुकता है/

और बाइबल के सन्दर्भ में 3 जगह पर रुकना शब्द है, सृष्टि के समय में, जो सृष्टि और प्रयोजन के बिच की बात है/ परमेश्वर क्रूस पर रुक गया और कहा ये पूरा हुआ, ये हो चुका है/ और फिर प्रकाशितवाक्य की किताब में, एक और बार प्रभु कहता है, ये हो चूका है, और वो उन शब्दों के बिच चिन्ह लगता है, इतिहास में सके काम में, और अनन्तकाल में/ दिन के 3 बड़े स्टॉप्स, और ये तो अभी भी चल रहा है/ हम प्रवेश करे जैसे इब्रानियों 4 में कहता है, इस विश्राम में, और दिलचस्प बात तो ये है कि सातवे दिन में कोई शाम और सुबह होने की बात नही है/ साथ ही, याने कम से कम 4-5 जगह पर मैं देखता हूँ कि ये सच में 24 घंटे का दिन होने के बारे में बहस की जाती है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: बहुत से लोग नही जानते हैं कि जब मैं ग्रेज्युएट स्कुल में था, मैं डॉक्टर वोल्टर कायजर की शिक्षा में बैठता था, और जिस तरह से ये उस क्लिप में सुनाई दिए, ये उसी तरह से शिक्षा देते थे, आधा तो अजीब सा था लेकिन आधा तो पूरी तरह बुध्दिमता था/ ये अद्भुत है, और बाइबल के बारे में इनकी पकड़ इतनी अद्भुत है/ और हम इस बात में आएं कि शाम हुई और सुबह हुई, हमने ये क्यों कहाँ, लेकिन आप भी, चाहे अविश्वासी थे, आप बाइबल पढने लगे, इसने द्वार खोला कि विश्वास करे कि ये सत्य है/ ऐसा नही कि ये कुछ झूठा था, आपने इसे कैसे जाना/

डॉक्टर ह्यू रॉस: जी, मैंने देखा कि शब्द जो आकाश के लिए और पृथ्वी के लिए और दिन के लिए/ अवश्य ही इसके लिए बहुत सी अलग अलग परिभाषा है/ क्योंकि उत्पत्ति 1 में अलग अलग सन्दर्भ हैं/ तो ये मेरे लिए भी चकित करनेवाली बात नही थी कि शाम हुई और सुबह हुई, मैं सोचने लगा कि सच में इसका क्या अर्थ है/ और फिर इस तरह कहता है कि दिन निश्चित हुआ, शाम हुई, सुबह हुई, इस तरह पहला, दूसरा, तीसरा और चौथा दिन हुआ/ इसका कम से कम यही अर्थ है, कि दिन कि शुरुवात थी, और दिन के लिए अंतिम point था/

फिर मैंने देखा कि 7 वे दिन ये वाक्य नही हैं/ साथ ही मैंने इस सच्चाई को देखा, कि हम इन शब्दों में ये देखते हैं, शाम हुई और सुबह हुई, दो अलग शब्द क्यों, दो विषय क्यों बताए गए हैं/ ये हमे इस सच्चाई की ओर लेकर जा रहा है कि कुछ खास और अद्भुत होगा जैसे यहाँ पर दिन के बारे में बताया जा रहा है/ और उस कारण से जाना, ठीक है, 7 वे दिन में शाम और सुबह की कमी इसका यही अर्थ है कि हम अभी भी 7 वे दिन में हैं, जैसे आपने कायजर को कहते सुना कि बाइबल में बहुत से वचन हैं जो हमें बताते हैं कि हम अभी भी 7 वे दिन में हैं, प्रभु फिर से

भविष्य में बनाएगा, और नई सृष्टि बनाएगा, लेकिन अभी वो अपनी सृष्टि के काम को जारी नही रख रहा है/

और ये मुझे वेज्ञानिक के रूप में रोमांचित करता है, क्योंकि अब मानो हम परमेश्वर को परख रहे हैं, क्योंकि प्रभु हमें बता रहा है, कि वो इस समय काम नही कर रहा है, सृष्टि के संबंध में, याने विज्ञान में हम समान्य क्रिया देखते हैं/ मनुष्य के युग में, लेकिन मनुष्य के युग के पहले, हम अपेक्षा करते हैं कि आलौकिक हस्तक्षेप के बहुत से उदाहरण देखेगे/ फिजिसिस्ट और astronomer होने के नाते हम देखते हैं, बहुत बड़ा फर्क है, जो कुछ मनुष्य जाती के पहले हुआ और मनुष्य जाती के बाद में जो होगा, और वो मेरे लिए सामर्थी सबूत है, कि बाइबल का परमेश्वर ही सच में सबका सृष्टिकर्ता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्ग: दोस्तों, मैं आशा करता हूँ कि इन जानकारी को सुनते हुए आपने आनन्द उठाया है/ और हम अगले हफ्ते इसे आगे देखेगे, आप अगले हफ्ते चूकना नही चाहेगे/ क्यों? क्योंकि हम देखेगे कि 6 दिन क्या हुआ था/ जब परमेश्वर ने आदम और हब्बा को बनाया/ वहां कम से कम 8 से 10 घटनाएँ हैं, वो हुई हैं उस 6 टे दिन,और हम उन में से हरएक को देखेगे और फिर हम आपसे पूछेगे कि क्या इन घटनाओं में से कोई भी केवल 24 घंटे के समय में हो सकती है/ या ये लंबे समय के बारे में कह रहा है/ और साथ ही हम 4 थे दिन को भी देखेगे/ क्या वो दिन था जब सच में प्रभु ने ये असतित्व में लाया, सूरज, चाँद और तारे? या बाइबल कुछ और कहती है/ ये तो पहले वचन के बारे में देखते हैं/ कि आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की/ हम ये सब देखेगे, और इसके बारे में लिंग्विश क्या बताते हैं/ और मैं सोचता हूँ कि आप इस जानकारी का आनन्द उठाएँगे/ और आशा है कि आप हमारे साथ जुड़ जाएगे/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI